श्रावण मास, कृष्ण पक्ष 1 वर्ष, अंक 68, पृष्ठ 4, मूल्य 1.00

अखण्ड भारत सन्देश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2020

विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान की एक अनुपम भेंट

उत्तर प्रदेश में त्योहारों से जुड़े आयोजनों पर होगा पुलिस का कड़ा पहरा, डीजीपी ने जारी की गाइडलाइन

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के चलते त्योहारों से जुड़े आयोजनों पर पुलिस का कड़ा पहरा होगा। कंटेनमेंट जोन में किसी भी त्योहार से जुड़ी गतिवधियों की अनुमति नहीं होगी। डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने आने वाले दिनों में नवरात्र, दुगार्पूजा, दशहरा, बारावफात, दीपावली, छठ पूजा, कार्तिक पूर्णिमा और क्रिसमस से जुड़े आयोजनों में कोविड-19 की गाइडलाइन का अनुपालन कराने के कड़े निर्देश दिए हैं। उन्होंने निर्देश दिया है कि प्रत्येक आयोजन स्थल पर कोविड-19 की गाइडलाइन और सुरक्षा उपायों के प्रचार-प्रसार के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम जरूर लगाए जाएं।

डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने कहा है कि कंटेनमेंट जोन में किसी भी त्योहार से जुड़ी गतिवधियों की अनुमति नहीं होगी। कंटेनमेंट जोन में किसी आयोजक, कर्मचारी अथवा अन्य आगन्तुकों के आने-जाने की अनुमति भी नहीं होगी। धार्मिक आयोजनों को लेकर संबंधित कमेटियों व संगठनों के साथ बैठक कर सभी तैयारियां पहले ही पूरी करने का निर्देश दिया है। कहा है कि पुलिस अधिकारी यह सुनिश्चित कराएं कि सभी आयोजनों में शारीरिक दूरी के मानक व सुरक्षा से जुड़े अन्य उपायों का हर सूरत में पालन हो। संबंधित कमेटी व संगठन के लोग भी सुरक्षा उपायों का अनुपालन कराने के लिए पर्याप्त निरीक्षण की व्यवस्था करें।

डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने कहा है कि आयोजक फेस कवर, मास्क, हैंड सेनेटाइजर, साबुन व सुरक्षा से जुड़े अन्य उपकरणों की पर्याप्त व्यवस्था करें। आयोजन स्थलों पर थर्मल स्कैनिंग, शारीरिक दूरी व मास्क के प्रयोग को सुनिश्चित करने के लिए वालंटियर भी मुस्तैद रहें। कार्यक्रम स्थल पर प्रवेश व निकास के अलग-अलग रास्ते भी हों। डीजीपी ने कहा है कि आयोजन स्थलों पर सीसीटीवी कैमरे भी लगवाए जाए। इसके अलावा प्रत्येक आयोजन स्थल पर कोविड-19 की गाइडलाइन व सुरक्षा उपायों के प्रचार प्रसार के लिए पब्लिक एड्रेस सिस्टम जरूर लगाए जाएं।

बता दें कि त्योहारों से जुड़ी गतिविधियों, कार्यक्रमों के दौरान कोविड-19 से बचाव व नियंत्रण के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से दिशा-निर्देश जारी किये जाने के बाद नौ अक्टूबर को मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी ने भी इस बाबत गाइडलाइंस जारी कर दी थी। जिसमें कहा गया था कि अक्टूबर से दिसंबर तक त्योहारी सीजन के दौरान कंटेनमेंट जोन में किसी भी त्योहार से जुड़ी गतिविधियों की अनुमति नहीं होगी। कंटेनमेंट जोन से किसी भी आयोजक, कर्मचारी या विजिटर को आयोजन में आने की अनुमति भी नहीं होगी। रामलीला, दशहरा से संबंधित सामूहिक गतिविधियां यदि किसी बंद स्थान, हॉल या कमरे में होती हैं तो उसकी निर्धारित क्षमता का 50 प्रतिशत या अधिकतम 200 व्यक्तियों को ही फेस मास्क, शारीरिक दूरी, थर्मल स्क्रीनिंग सैनिटाइजेशन व हैंड वॉश की उपलब्धता के साथ उसमें शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। यदि यह गतिविधियां खुले स्थान या मैदान में होती हैं तो क्षेत्रफल के अनुसार कोविड से बचाव के प्रोटोकॉल का पालन करना होगा।

चीन को सबक सिखाने को बनाए जा रहे गाय के गोबर से 33 करोड़ दीये

नई दिल्ली, प्रेट्र। इस बार दीपावली पर चीन को सबक सिखाने के लिए राष्ट्रीय कामधेनु आयोग गाय के गोबर से 33 करोड़ दीयों को बनाकर बाजार में उतारेगा। यह जानकारी सोमवार को आयोग के अध्यक्ष वल्लभ भाई कथीरिया ने दी। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारा उद्देश्य चीन निर्मित दीयों को खारिज कर मेक इन इंडिया को बढ़ावा देना है।

इस अभियान में शामिल होने के लिए 15 से अधिक राज्यों ने अपनी सहमति दी है। उन्होंने कहा कि इसमें से लगभग तीन लाख दीये पवित्र शहर अयोध्या में जलाए जाएंगे, जबकि वाराणसी में एक लाख दीये जलाए जाएंगे। स्वैच्छिक संगठनों की मदद से इसे बनाने का कार्य शुरू हो चुका है। दीपावली तक 33 करोड़ दीये बनाने के लक्ष्य को पूरा कर लिया जाएगा। कहा कि इस अभियान से आर्थिक रूप से परेशान गोशालाओं को बहुत मदद मिलेगी।

गौरतलब है कि भारतीय मवेशियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए 2019 में स्थापित किए गए आयोग ने आगामी त्योहार के दौरान गोबर आधारित उत्पादों के उपयोग को प्रोत्साहित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है। इस कार्य में स्वयंसेवी संगठनों और गोशालाओं से भी मदद ली जा रही है। आयोग गाय के गोबर से बने उत्पादों को स्वयं नहीं बना रहा, बल्कि लोगों को ट्रेनिंग देकर इस काम के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। आयोग को इस काम में सफलता भी मिल रही है। चीन के साथ तनातनी के बाद इस बार दीपावली के लिए चाइनीज झालरों के आर्डर देश के व्यापारियों ने बुक नहीं किए हैं। अगस्त अंत और सितंबर महीने में ही करोड़ों के आर्डर दिए जाते थे। व्यापारी अब खुद ही देसी झालर और फैंसी लाइटें बना रहे हैं। हर साल 10 करोड़ से अधिक रुपये का आर्डर झालरों के लिए चीन को दिया जाता था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हम नहीं कह सकते कि शाकाहारी रहो या मांसाहारी

नई दिल्ली, आइएएनएस। खाने के लिए पशुओं के वध की 'हलाल' प्रथा को चुनौती देने वाली एक जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को खारिज कर दी। शीर्ष अदालत ने याचिका को शरारतपूर्ण बताते हुए कहा कि वह तय नहीं कर सकती कि कौन शाकाहारी रहे या कौन मांसाहारी। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस दिनेश महेश्वरी की पीठ ने कहा कि 'हलाल' सिर्फ पशु वध की एक प्रक्रिया है, कुछ लोग 'झटका' करते हैं और कुछ लोग 'हलाल'। पीठ ने याचिकाकर्ता 'अखंड भारत मोर्चा' के वकील से पूछा कि यह समस्या कैसे है? पीठ ने कहा कि कुछ लोग 'हलाल' का मांस खाना चाहते हैं और कुछ लोग 'झटके' का।

इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि यूरोपियन कोर्ट ऑफ जस्टिस ने फैसला दिया है कि 'हलाल' बेहद पीड़ादायक है और जानवरों की अपनी आवाज नहीं होती कि वह अदालत तक पहुंच सकें। उन्होंने पशु क्रूरता रोकथाम अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि उसकी धारा-3 के तहत पशुओं की देखभाल करना हर व्यक्ति का दायित्व है। मामले की संक्षिप्त सुनवाई के बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

69000 शिक्षक भर्ती में 31277 की सूची जारी

लखनऊ, जेएनएन। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक स्कूलों में 69000 सहायक अध्यापक चयन की अनंतिम सूची सोमवार को जारी हो गई। शीर्ष कोर्ट ने भर्ती के 31661 पदों पर चयन का आदेश दिया था, उनमें से 31277 अभ्यर्थियों को जिला आवंटित किया गया, जबकि अनुसूचित जनजाति की 384 सीटों के लिए अभ्यर्थी नहीं मिल सके। बाकी सभी वर्गों की सीटों के सापेक्ष अभ्यर्थियों का जिला आवंटित हुआ है। अभ्यर्थी सूची परिषद की वेबसाइट पर देख सकते हैं। सूची में शामिल अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र 16 अक्टूबर को दिया जाएगा।

बेसिक शिक्षा परिषद परिषद के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने बताया कि पहले जारी 67867 अनंतिम सूची से ही 31661 पदों के लिए अभ्यर्थियों का जिला आवंटन किया गया है। एसटी की 384 सीटें खाली रह गईं हैं, बाकी सभी वर्गों की सीटें भर गई हैं। अब चयनित अभ्यर्थी संबंधित जिलों में 14 व 15 अक्टूबर को काउंसिलिंग कराएंगे और उनमें से अर्ह अभ्यर्थियों को 16 अक्टूबर को नियुक्ति पत्र वितरित किया जाएगा। ज्ञात हो कि भर्ती की लिखित परीक्षा छह जनवरी 2019 को हुई थी। कटऑफ अंक के विवाद के कारण करीब डेढ़ वर्ष तक इसकी अंतिम उत्तरकुंजी और परिणाम अधर में लटका था।

पहले की सूची से ही जिला आवंटन : परीक्षा नियामक प्राधिकारी कार्यालय ने 69000 शिक्षक भर्ती की लिखित परीक्षा का 12 मई को परिणाम घोषित किया था। उसमें 1,46,060 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए थे। परिषद सचिव ने बताया कि उन सभी से 18 मई अपरान्ह से 28 मई की मध्यरात्रि तक वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन लिया गया था। इसमें 1,36,621 ने आवेदन किया, जबकि 9439 अभ्यर्थी आवेदन से दूर रहे। 69000 पदों के लिए आवेदकों के गुणांक, भारांक, जिला वरीयता को देखते हुए जिले में उपलब्ध पद के आधार पर वर्ग व श्रेणीवार जिला आवंटन एक जून को किया गया था। उस समय 67,867 अभ्यर्थियों को जिला आवंटित हुआ, वहीं एसटी वर्ग के 1,113 सीटें अभ्यर्थी न होने से खाली रह गई थी।

नियुक्ति शीर्ष कोर्ट के फैसले के अधीन : यह भर्ती शीर्ष कोर्ट में दाखिल विशेष अपील रामशरण मौर्या व अन्य बनाम उप्र राज्य व अन्य में पारित 21 मई 2020 व सूबेदार सिंह व अन्य बनाम उप्र राज्य व अन्य में पारित नौ जून 2020 के अंतिम फैसले के अधीन होगी।

कोर्ट ने रोके थे शिक्षामित्रों के पद : शीर्ष कोर्ट ने 21 मई को भर्ती के 37339 पदों को छोड़कर शेष पदों पर भर्ती करने के लिए राज्य सरकार को छूट दी थी। भर्ती की लिखित परीक्षा में 45357 शिक्षामित्रों ने आवेदन किया था। उनमें से 8018 शिक्षामित्र उत्तीर्ण हो गए, बाकी चयन से दूर हैं। इतने पद रोकने की वजह शिक्षामित्रों से जुड़ी याचिका थी। शिक्षामित्र 69000 भर्ती का कटऑफ अंक बढ़ाए जाने का विरोध कर रहे थे, वे 68500 भर्ती की तरह कटऑफ की मांग कर रहे हैं। प्रदेश सरकार के बेसिक शिक्षा विभाग में 69000 सहायक शिक्षकों में से 31661 सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका की परिधि से बाहर थे। इनको सभी को प्रदेश सरकार ने तैनाती दे दी है। बेसिक शिक्षा परिषद के प्राथमिक स्कूलों में 31661 शिक्षक भर्ती की जिला आवंटन सूची आ गई है। 69000 भर्ती के सापेक्ष तैयार 67867 अभ्यर्थियों की जिला आवंटन सूची से ही अधिक गुणांक वालों को सूचीबद्ध किया गया है। विभागीय अफसरों को यह सूची भेजी गई उनकी सहमति मिलते ही इसे घोषित कर दिया गया।

कब किसने दिया आदेश

- मुख्यमंत्री ने 19 सितंबर को आदेश दिया कि एक सप्ताह में नियुक्ति दें।
- बेसिक शिक्षा की अपर मुख्य सचिव रेणुका कुमार ने 24 सितंबर को आदेश जारी किया।
- 30 सितंबर को बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री डा. सतीश चंद्र द्विवेदी ने अफसरों की बैठक करके निर्देश दिया।

चीन और पाक को घेरने के लिए मिली सामरिक मजबूती अब सीमाओं पर जल्द पहुंचेंगे टैंक और तोपें

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान और चीन से एक साथ दोनों मोर्चों पर निपटने की सेना की तैयारी को सीमा सड़क संगठन मजबूती देने में जुटा है। इसी के चलते सोमवार को लद्दाख में आठ, जम्मू-कश्मीर में 10, हिमाचल में तीन और उत्तराखंड के आठ पुलों का लोकार्पण किया। ये पुल दुश्मन को घेरने में अहम भूमिका निभाएंगे। इन पुलों के रास्ते सेना के टैंक व तोपें सीमा पर एक स्थान से दूसरे पर सुगमता से पहुंच दुश्मन पर त्वरित प्रहार करेंगी।

इसके साथ ही सीमांत आबादी के लिए भी ये पुल बेहतर सुविधाओं की नई उम्मीद लेकर आए हैं। सीमांत प्रदेशों में बुनियादी ढांचा मजबूत बनाने की मुहिम के तहत

रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को नई दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए 44 पुलों को देश को समर्पित किया। जम्मू-कश्मीर में बने दस में से सात पुल सीमा और वास्तविक नियंत्रण रेखा से मात्र तीन से आठ किलोमीटर की दूरी पर हैं।

देश के सीमांत प्रदेशों में इस वर्ष बनने वाले 102 बड़े पुलों में से 54 बनकर तैयार हो चुके हैं। पूर्वी लद्दाख के गलवन में चीनी सैनिकों से हिसंक झड़पों के बाद सेना की ऑपरेशनल तैयारियों को तेजी देने के लिए लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण 26 नए पुल बन चुके हैं। केंद्र सरकार के सीमांत क्षेत्रों में आधारभूत ढांचा विकसित करने की नीति के तहत पंजाब से जम्मू तक पाकिस्तान से लगी सीमा पर बार्डर रोड का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। कठुआ में एक पुल का निर्माण चल रहा है। इस पुल का निर्माण पूरा होने तक पंजाब से लेकर जम्मू के किसी भी सेक्टर तक सुरक्षा बलों की मूवमेंट तेजी से हो सकेगी।

बीआरओ दीपक परियोजना के चीफ इंजीनियर एमएस बाघी ने बताया कि हिमाचल में तैयार हुए दो पुलों से सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण मनाली-लेह मार्ग का सफर और सुगम हो गया है।

दारचा पुल : मनाली-लेह मार्ग पर 10 हजार फीट की ऊंचाई पर दारचा में 360 मीटर लंबे पुल का निर्माण किया गया है। इस मार्ग पर यह सबसे लंबा पुल है। इसके बनने से अब भागा नदी में आने वाली बाढ़ भी वाहनों की आवाजाही को नहीं रोक पाएगी।

पलचान पुल : यह पुल मनाली से अटल टनल के साउथ पोर्टल के रास्ते में पलचान में बनाया गया है। इस पुल के बनने से ब्यास नदी सहित पागल नाले में आने वाली बाढ़ यातायात को प्रभावित नहीं कर पाएगी।

उत्तराखंड में बने सामरिक महत्व के आठ पुलों को भी सोमवार को राष्ट्र को समर्पपत कर दिया। इन पुलों के तैयार होने से चीन सीमा के अग्रिम मोर्चे पर तैनात जवानों तक खाद्य सामग्री सहित अन्य सैन्य सजोसामान पहुंचाना आसान हो जाएगा। इनमें से पांच पुल टनकपुर-तवाघाट हाईवे पर बने हैं। यही मार्ग तवाघाट से गबार्धार होते हुए चीन सीमा लिपुलेख तक जाता है। तवाघाट से हाईवे सोबला होते हुए उच्च हिमालयी चीन सीमा तिदांग तक जाता है। टनकपुर से तवाघाट व लिपुलेख तक मार्ग का निर्माण सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) की ओर से किया गया है। वहीं, तीन अन्य पुल जौलजीबी-मुनस्यारी मार्ग पर बने हैं।

सुप्रीम कोर्ट का केंद्र को नोटिस, कृषि कानूनों को चुनौती देने वाली याचिका पर मांगा जवाब

नई दिल्ली, एएनआइ। कृषि कानूनों को लेकर सप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को नोटिस जारी किया है। बिलों को चुनौती देने वाली इन याचिकाओं पर कोर्ट ने केंद्र से चार हफ्तों के अंदर जवाब देने को कहा है। केरल में कांग्रेस से सांसद टीएन प्रथापन ने कृषि कानून के विभिन्न प्रावधानों की संवैधानिक वैधता को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। केरल के त्रिशूर लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस सांसद टीएन प्रथापन ने इन बिलों को लेकर आरोप लगाया था कि यह किसान (सशक्तीकरण और संरक्षण) मूल्य आश्वासन और कृषि सेवा अधिनियम 2020 द्वारा समानता का अधिकार व भेदभाव का उल्लंघन है। कांग्रेस सासंद ने कहा था कि कानून जिसे राष्ट्रपति की सहमति दी गई वह असंवैधानिक, अवैध और शून्य के रूप में माना जा सकता है। झारखंड मुक्ति मोर्चा ने कृषि कानून का विरोध करते हुए इसे किसानों के लिए काला कानून बताया है। पार्टी के महासचिव सह प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने शनिवार को प्रेसवार्ता में इस कानून का विरोध किया और घोषणा की कि राज्य में किसी भी कीमत पर इसे लागू नहीं होने दिया जाएगा। इससे किसानों की किसानी मर जाएगी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ऐसा नहीं होने देगा। उन्होंने कहा कि जिस राज्य में भाजपा का शासन है, वहां के किसान भी इस कानून का विरोध कर रहे हैं। पूरे देश में इस काला कानून का विरोध हो रहा है। बता दें कि केंद्र की तरफ से लाए गए कृषि कानूनों का कांग्रेस समेत तमाम राजनीतिक दल विरोध कर रहे हैं। इसके चलते पिछले दिनों कानूनों के विरोध में देश के कई हिस्सों में प्रदर्शन भी किए गए। पंजाब में किसानों ने रेलवे ट्रैक पर बैठकर अपना विरोध जताया तो वहीं कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्रैक्टर पर बैठकर पंजाब में रैली निकाली। इसके अलावा बिहार, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और हरियाणा समेत विभिन्न राज्यों में विरोध प्रदर्शन किए गए।

कम हुए कोरोना के नए केस लेकिन सक्रिय मामलों में शीर्ष पर महाराष्ट्र

नई दिल्ली, जेएनएन। देश में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या 71 लाख के पार कर गई है, लेकिन हालात बेहतर होने के संकेत मिल रहे हैं। नए मामलों में लगातार गिरावट आ रही है और सक्रिय मामले भी घट रहे हैं। इस महामारी के चलते रोजाना होने वाली मौतों की संख्या भी कम हो रही है। पिछले चार दिनों से प्रतिदिन नौ सौ से भी कम मरीजों की मौत हो रही है। अभी तक एक लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। महाराष्ट्र में सबसे अधिक सक्रिय मामले हैं।

वहीं, ठीक होने वाले मरीजों की संख्या दिनों दिन बढ़ रही है। अब तक 61 लाख से अधिक लोग महामारी को मात दे चुके हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से सोमवार सुबह आठ बजे जारी आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटों के दौरान 66,732 नए मामले सामने आए हैं और कुल संक्रमितों की संख्या 71.20 लाख हो गई है। इस दौरान 71,559 मरीज ठीक हुए हैं और अब तक स्वस्थ हो चुके मरीजों का आंकड़ा 61.49 लाख पर पहुंच गया है। 816 और मरीजों की मौत हुई है।

इस महामारी से कुल 1.09 लाख लोगों की जान जा चुकी है। इसके साथ मरीजों के स्वस्थ होने की दर बढ़कर 86.36 फीसद और मृत्युदर 1.53 प्रतिशत हो गई है। सक्रिय मामले 8.61 लाख हैं जो कुल मामलों का 12.10 फीसद है। लगातार चार दिनों से सक्रिय मामले नौ लाख से नीचे बने हुए हैं।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के मुताबिक रविवार को 9,94,851 नमूनों की जांच की गई। आइसीएमआर ने बताया कि 11 अक्टूबर तक कुल आठ करोड़ 78 लाख 72 हजार 093 नमूनों की जांच की जा चुकी थी। कोरोना महामारी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित महाराष्ट्र में सबसे अधिक 2.21 लाख सक्रिय मामले हैं। राज्य में 12.66 लाख मरीज ठीक भी हो चुके हैं। महाराष्ट्र के बाद कर्नाटक में 1.20 लाख, आंध्र प्रदेश में 46,295, तमिलनाडु में 44,095 और दिल्ली में 21,701 उपचाराधीन मरीज हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि एक दिन में सामने आए नए मरीजों में 81 फीसद 10 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से हैं। इसमें सबसे ज्यादा महाराष्ट्र में 10 हजार से अधिक और कर्नाटक व केरल में नौ हजार से अधिक नए केस शामिल हैं। एक दिन में स्वस्थ हुए कुल मरीजों में 77 फीसद भी 10 राज्यों से हैं। इसमें भी महाराष्ट्र और कर्नाटक में सबसे अधिक 10-10 हजार ठीक हुए मरीज शामिल हैं।

पाकिस्तान ने तोपों से दागे गोले, जवाबी कार्रवाई में दुश्मन की कई चौकियां तबाह

राजौरी, जेएनएन/ एएनआइ। पाकिस्तानी सेना ने रविवार को राजौरी जिले के सुंदरबनी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर भारी गोलाबारी की है। इस दौरान पुंछ जिले के देगवार, खड़ी एवं करमाड़ा में भी भारी हथियारों से गोलाबारी की गई है। इसमें भारतीय सेना का लांस नायक और बीएसएफ का एक जवान जख्मी हुआ है। वहीं, भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तान को भारी नुकसान हुआ है। उसकी कई सैन्य चौकियां तबाह हो गई हैं।

सुंदरबनी के मल्ला इलाके में पाकिस्तान की सेना ने दोपहर करीब डेढ़ बजे भारी हथियारों से गोले दागने शुरू कर दिए। दो घंटे से अधिक समय तक गोलाबारी हुई। इसमें सेना का लांस नायक एवं बीएसएफ का एक जवान घायल हो गया। दोनों को नजदीकी सैन्य

अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस बीच, शाम करीब सवा छह बजे पुंछ जिले के खूंटी, करमाडा, कसबा, देगवार, ढोकरी और पुंछ सेक्टर में भी गोले बरसाए जाने लगे। इन क्षेत्रों में पाक सेना ने बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचाने की क्षमता वाले गोले दागे। इसके लिए लंबी दूरी तक मार करने वाली तोपों का इस्तेमाल भी किया गया। मोर्टार के गोले भी दागे हैं। वहीं, सुंदरबनी सेक्टर क्षेत्र में पाक ने शाम करीब साढ़े सात बजे से फिर गोलाबारी शुरू कर दी। पाकिस्तानी रेंजरों ने कठुआ जिले के हीरानगर सेक्टर में भी अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार की पूरी रात गोले बरसाए थे। पाक ने भारतीय क्षेत्र के चक चंगा, गुज्जर चक, कंडियाल गांवों को निशाना बनाया।

बता दें कि कल भारतीय जवानों ने पुंछ जिले के मनकोट सेक्टर में गोलाबारी करने पर पाकिस्तानी सेना को करारा जवाब दिया था। भारतीय सेना ने जवाबी कार्रवाई करते हुए उसके चार सैनिक ढेर कर दिए थे और पांच चौकियों को तबाह कर दिया था। हालांकि गोलाबारी में बीएसएफ के दो जवान जख्मी हुए थे। शनिवार को मनकोट के रिहायशी इलाकों में गोले गिरने से आधा दर्जन से अधिक मकान क्षतिग्रस्त हुए थे। उल्लेखनीय है कि नियंत्रण रेखा पर अशांति पैदा करने और आर्तकियों की घुसपैठ कराने का मंसूबा पाले पाकिस्तानी सेना मनकोट सेक्टर में आए दिन गोलाबारी कर रही है। शुक्रवार-शनिवार की रात दो बजे से ही उसने इसी साजिश के तहत संघर्ष विराम का उल्लंघन करना शुरू कर दिया। उसने सेना की चौकियों और फिर गांवों को निशाना बनाकर मोर्टार दागे। शनिवार देर रात को पुछ जिले के मेंढर, खड़ी व करमाड़ा सेक्टर में गोलाबारी की थी।

ग्रामीण अंचल

प्रयागराज मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2020

संक्षेप समाचार

अपना दल की बैठक करछना मे सम्पन्न

करछना। क्षेत्र के तेवरिया गाव मे जमुनापार क्षेत्र के अपना दल के पदाधिकारियो बैठक हुई जिसमे सगठन की मजबूती एव आगामी जिला पचायत चुनाव को लेकर रणनीति पर चर्चा की।प्रयागराज के जमुनापार क्षेत्र के अपना दल के बडी सख्या मे कार्यकर्ताओ एव पदाधिकारियो को सम्बोधित करते हुए सगठन के राज एकीकरण आयोग के सदस्य रमाकांत पटेल ने कहा कि आगामी चुनावो मे कार्यकर्ता सक्रियता से अपने अपने क्षेत्र मे दायित्व निभाएगे और सगठन की सदस्यता के लिए और बढाने के लिए रणनीति तैयार कि। अध्यक्षता बृजेश पटेल ने किया।इस मौके पर लाल शास्त्री रामनोहर पटेल,मनोज पटेल परमानंद पटेल,कन्हैया लाल गुड्डू पटेल सदीप तिवारी सचिन सिह,देवी शंकर कृष्ण कुमार सहित कई लोग मौजूद रहे।

अधिवक्ता के साथ एसडीएम के अमर्यादित व्यवहार पर भड़के पदाधिकारी

करछना। बीते शनिवार को नैनी थाने मे आयोजित समाधान दिवस पर मुवक्किल की पैरवी करने गये अधिवक्ता को एसडीएम करछना आकाक्षा राना ने दुर्व्यवहार किए जाने से सोमवार को तहसील करछना मे बार संघ के अधिवक्ताओ को जानकारी हुई तो लामबंद होकर एसडीएम मुदार्बाद के नारे लगाते हुए प्रदर्शन किया और सभी कार्यालयों को बंद करा दिया और एसडीएम के तबादले की मांग करते हुए दिनभर शोर शराबा चलता रहा।तहसील करछना के पूर्व अध्यक्ष हरिमोहन मिश्रा अपने मुवक्किल के साथ नैनी थाने मे आयोजित थाना दिवस पर जमीन के सिलसिले मे शिकायत दर्ज कराने गये थे उसी को लेकर एसडीएम करछना ने समझौते के लिए दबाव बनाने लगी ऐसा न होने पर अधिवक्ता के उपर विफर पडी और थाने मौजूद सिपाहियो से थाना दिवस पर गये अधिवक्ता को जबरन बाहर निकालने का निर्देश दिया और पूर्व

एसडीएम के खिलाफ प्रदर्शन करते अधिवक्ता

अध्यक्ष हरिमोहन वहा की नजाकत देख उठकर चले गये।इसी बात को लेकर सोमवार को तहसील मे बार संघ के पदाधिकारियों ने बैठक कर एसडीएम द्वारा की गई इस तरह की बदसलूकी से नाराज अधिवक्ताओं ने एसडीएम के खिलाफ घंटो तहसील परिसर मे प्रदर्शन किया और तहसील के अन्य कार्यालयो मे तालाबंदी की और कोर्ट का वहिष्कार करते हुए एसडीएम के तबादले की माग उठाई। प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं में अध्यक्ष चिन्तामणि शुक्ल,उपाध्यक्ष अभिषेक सिह महामंत्री हसराज सिंह की अगुवाई मे दिनेश कुमार श्रीवास्तव रमाकांत अतुल कुमार, अनंतभान सिंह, अंजनी कुमार तिवारी, आशुतोष कुमार सहित सैकड़ो अधिवक्ता शामिल रहे।

साइबर अपराधियों ने खाते से उड़ाए पचास हजार रुपये

मऊआइमा। मऊआइमा में शातिर साइबर अपराधियों का गैंग इस समय सक्रिय है। आए दिन किसी न किसी को अपना शिकार बनाता है। एक व्यक्ति के खाते से साइबर अपराधियों ने पचास हजार रुपये उडा दिए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर साइबर सेल को धरपकड़ के लिए भेज दिया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रतापगढ़ के थाना मान्धाता के ग्राम राजगढ कोपा निवासी शम्भूनाथ पांडेय पुत्र जय गोविंद का कहना है कि उसका खाता मऊआइमा के युनाइटेड बैंक में है। शम्भूनाथ का कहना है कि वह अपने मोबाइल से अपना मोबाइल रिचार्ज किया परन्तु रिचार्ज नही हुआ। और पैसा भी कट गया। तब उसने कस्टमर केयर को बताया तो थोड़ी देर में गूगल पर मैसेज आया तो देखा कि उसके खाते से पचास हजार रुपये निकल चुके हैं। शम्भूनाथ पहले बैंक गया परन्तु कोई सुनवाई नहीं हुई। तब मऊआइमा थाने में अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया।.पुलिस मुकदमा दर्ज कर मामले को साइबर सेल को भेज दी है ।बताते हैं कि अब तक दर्जनों लोगों को साइबर अपराधियों ने अपना शिकार बना चुके हैं।

घर में सो रही छह वर्षीय बच्ची की हत्या

प्रयागराज। हण्डिया थाना क्षेत्र के बदलापुर भेसकी गांव में घर के अन्दर सो रही छह वर्षीय बच्ची की सोमवार में गला घोटकर हत्या कर दी गई। सुबह सूचना पर सक्रिय पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। हालांकि पुलिस कहना है कि जबतक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आ जाती तबतक उसकी मौत का कारण अस्पष्ट नहीं हो पाएगा। पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच शुरू कर रही है।

हण्डिया के बदलापुर भेसकी गांव निवासी कुमारी अंशिका(6वर्ष) पुत्री रतनेश तिवारी दो भाइयों में अकेली बहन थी। रतनेश रविवार को अपनी किसी रिश्तेदारी चला गया। घर उसकी पत्नी ऊषा देवी एक बेटे के साथ चार पाई पर रविवार की रात घर के अन्दर सो गई और बेटी को तखत पर लिटा दिया था। वह सुबह उठकर अपने काम में लग गई और बच्चों पर नजर नहीं डाला। सोमवार की सुबह रतनेश घर पहुंचा तो उसकी बेटी घर के अन्दर तखत पर मृत मिली। उसकी मौत की जानकारी होते ही उसकी मां ऊषा देवी समेत परिवार के सदस्य परेशान हो गए। मामला संदिग्ध होने की वजह से मृतका के परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्ची के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि उसके गले एवं ओठ पर चोंट के निशान दिखाई दी है। पुलिस कहना है कि जबतक पोस्टमार्टम रिपोर्ट नहीं आ जाती तबतक मौत का अस्पष्ट कारण नहीं मालुम हो पाएगा। हालांकि पुलिस विभिन्न पहलुओं पर जांच शुरू कर दी है। मामला पूरी तरह से संदिग्ध लग रहा है।

सूत्रों की माने तो सोमवार शाम उसके शव का पोस्टमार्टम किया गया तो राज खुला कि उसकी हत्या की गई है। किसी ने उसका मुह एवं गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया। अपर पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल का कहना है कि छह वर्षीय बच्ची सोमवार की सुबह मृत मिली है। मामला संदिग्ध लग रहा है। विभिन्न पहलुओं पर जांच जारी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद, आगे की कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की गई 10 मोटर साइकिलें पुलिस ने की बरामद, दो गिरफ्तार

करछना। थाना क्षेत्र के विभिन्न सरकारी सस्थानो एवं बाजारो से माहभर पूर्व चोरी हुई दर्जनभर से अधिक मोटर साइकिल की बरामदगी को लेकर पुलिस ने अभियान चलाकर दो चोरो को गिरफ्तार किया जिनके द्वारा चोरी की गई 10 मोटर साइकिल पुलिस ने बरामद कर ली है। करछना तहसील परिसर समेत बीआरसी बैक और जबरगंज बाजार आदि स्थानो से चोरो का सक्रिय गिरोह बिगत माहभर से एक दर्जन से अधिक मोटर साइकिल की चोरी की घटानाओ को अंजाम दिया था। जिसको लेकर स्थानीय लोगो ने करछना पुलिस पर दो दिन पूर्व बार के उपाध्यक्ष अभिषेक सिंह के साथ पीडित और कई अधिवक्ताओ ने प्रभारी निरीक्षक करछना पर दबाव बनाया था कि जल्द ही चोरी हुई दर्जनो मोटर साइकिलो का खुलासा नही हुआ तो लोग पुलिस के खिलाफ धरना प्रदर्शन करने की

पुलिस की गिरफ्त में चोरी की बाइक सहित बाइक चोर

चेतावनी दी थी जिसको लेकर सक्रिय हुई करछना पुलिस ने सोमवार को मुखबिर की सूचना पर नहर कोठी करछना के पास दो अभियुक्तो को गिरफ्तार कर कडाई से पूछताछ करने पर चोरी की गाडियो का खुलासा किया।पकडे गये चोरो मे फिरोज अहमद पुत्र दाउद अहमद निवासी पचदेवरा थाना करछना और दूसरा दुनैद असारी पुत्र नसीर निवासी करेहा, करछना को गिरफ्तार किया जबकि दो वाहन चोर की तलाश पुलिस कर रही है। जिनको करछना पुलिस ने सोमवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम मे उप निरीक्षक मुजम्मिल हुसैन, उप निरीक्षक पंकज त्रिपाठी, धीरेन्द्र कुमार सिह सजीव कुमार सिह, कां राजीव कुमार यादव मणिकात वर्मा आनंद कुमार सिह, नफीस अहमद आदि शामिल रहे।

हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने से भैंस की मौत

उतरांव। उतरांव थाना क्षेत्र के नीमी थरिया गांव में हाई वोल्टेज की चपेट में आने से एक लगेन भैस की मौत हो गई।नीमी थरिया गांव निवासी चंद्रभान पुत्र हरिलाल जो भैंस पालन कर पूरे परिवार का भरण पोषण करता है। बीती रात रोज की तरह वह भैंस को घर के सामने बांध दिया था।वही बगल से गए हाई वोल्टेज करंट का तार 1 बजे टूट गया। टूटे तार की चपेट में भैस आ गई। पशुपालक शोर मचाते हुए बचाने में जुट गया। भैंस को बचाने में पशुपालक बहुत प्रयास किया। शोर सुनकर फिलहाल लोग इकट्ठा हुए लेकिन भैंस की सांसे थम चुकी थी। वही पशुपालक ने बिजली विभाग के कर्मचारियों पर आरोप लगाया लगभग दर्जनों बार जर्जर तार को लेकर विभागीय अधिकारियों को सूचित व लिखित प्रार्थना पत्र देकर सही कराने की कहा गया था। आज तक बिजली विभाग के अधिकारी व हल्के के कर्मचारी देखने तक नहीं आए। जब घटना घटी तो भाग कर पहुंच गए। क्षेत्र में बिजली विभाग के कर्मचारियों की लापरवाही हमेशा में देखने को मिलती है। जो बहुत ही शर्मनाक है। पशुपालक ने भैंस की कीमत लगभग रू 70000 बताया। वही नीमी थरिया गांव में हाई वोल्टेज की करंट की चपेट में अब तक लगभग एक दर्जन से ज्यादा भैस की मौत हो चुकी है। ग्रामीणों में बिजली विभाग के कर्मचारियों के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

संदिग्ध अवस्था में बच्ची की मौत, परिजनो में मचा कोहराम

सैदाबाद। क्षेत्र के जालापुर गांव में संदिग्ध अवस्था मे मौत हो जाने सें परिजनो में कोहराम मचा हुआ है। सूचना पर मौके पर पहुची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना के चलते गांव मे तरह तरह की चर्चा है।

कोतवाली हंडिया के भेस्की गांव के मजरे जालापुर गांव की आकंक्षा 6 पुत्री रत्नेश बीते रविवार की रात खाने खाना के बाद सो गई। मृतका की दादी प्रेमा देवी ने बताया कि प्रतिदिन वह सुबह उठ जाती थी। सोमवार सुबह काफी समय तक मृतका बिस्तर पर सो रही थी। मृतका की मां उषा तिवारी ने उसे जगाने की कोशिश की लेकिन वह नही उठी।मौके पर परिजन इकट्ठा हुए सभी ने जगाने की कोशिश की लेकिन वह नही उठी।आशंका होने पर परिजनो ने स्थानीय चिकित्सक को सूचना दी। मौके पर पहुचे स्थानीय चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका के गले में हल्का कट का निशान है । ग्रामीणो ने आशंका जताई कि किसी बिषैले जंतु ने उसे डस लिया है। जिसके चलते उसकी मौत हुई है।

बच्ची की मौत के बाद रोते बिलखते परिजन

सूचना पर पर हंडिया कोतवाल शमशेर बहादुर सिंह व हंडिया क्षेत्राधिकारी अवधेश शुक्ला घटनास्थल पर पहुचे । घटनास्थल का मुआयना करने के बाद परिजनो सें पूछताछ की। आवश्यक कार्यवाही के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने बताया कि पीएम के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। मृतका आकंक्षा के दो भाई आर्दश व आदेश है। घटना के चलते पूरे गांव में कोहराम मचा हुआ है।

बेहद गरीब है परिवार,मुश्किल से चलती है रोटी

मृतका का परिवार बेहद गरीब है। ग्रामीणो ने बताया कि बड़ी मुश्किल सें दो जून की रोटी परिवार को मयस्सर होती है। मृतका की दादी प्रेमा देवी ने रोते हुए बताया कि आकंक्षा का पिता रत्नेश अपाहिज है। परिवार की रोजी रोटी चलाने के लिए वह मजबूरी में राजमिस्त्री का काम कर रहा है।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

एसबी कम्प्यूटर कोरांव में प्रशिक्षण के दौरान मौजूद ग्राम प्रधान व सचिव

कोरांव। ई ग्राम स्वराज पोर्टल पीएफएमएस की दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम एस बी कम्प्यूटर कोरांव में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में ऑनलाइन भुगतान से सम्बंधित ग्राम प्रधान व सचिवो तरीके बताया गया। सभी प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण को अच्छी तरीके से सीखे। प्रशिक्षक सुमित श्रीवास्तव, विष्णु शुक्ला, शशांक पांडेय, दीपक वर्मा व उनकी टीम मौजूद रही।

अति पिछड़ों को जागरूक करने की कवायद में सपा की गोष्ठी आयोजित

मेजा। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेशार्नुसार समाज के अति पिछड़े वर्ग के लोगो को जागरूक करने एवं उन्हे समाजवादी विचार धारा से जोडने का अभियान पार्टी के वरियठ पदाधिकारियो द्वारा तेज कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि सपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता डा0 देवी सिंह पटेल के नेतृत्व मे सोमवार को समाजवादियो की एक गोष्ठी कठौली गॉव के रहने वाले राजेन्द्र प्रसाद प्रजापति के निवास स्थान पर आयोजित की गई जिसमे बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित लोगो को सम्बोधित करते हुये श्री पटेल ने समाजवादी पार्टी की नीतियो पर विस्तार से चर्चा किया और लोगो को जागरूक करते हुये उन्हे समजवादी पार्टी से जुडने की अपील किया। इस दौरान उन्होने कहा कि समाज के अति पिछडे वर्ग के लोग जिसमे प्रजापति, पाल, नाई एवं निषाद् समुदाय के लोग आते है घर -घर जाकर उन्हे समाजवादी विचार धारा से जोडने का कार्य पार्टी के

कठौली के प्रजापति बस्ती मे आयोजित गोष्ठी मे लोगो को जागरूक करते सपा कार्यकर्ता डॉ0 देवी सिंह पटेल

राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय अखिलेश यादव के निर्देश पर किया जा रहा है।

इस मौके पर गुलाब शंकर प्रजापति, नन्दूराम प्रजापति, इन्द्र बहादुर प्रजापति, महेश कुमार प्रजापति, तीरथ कुमार प्रजापति, अगल लाल उर्फ महीप लाल प्रजापति, विशाल प्रजापति, विनोद प्रजापति एवं दिनेश कुमार शर्मा के अलावा कई अन्य लोग मुख्य रूप से मौजूद रहे।

बेटियों की तरक्की का मतलब मुल्क की तरक्की : रुश्दा नाहिद

करमा। इक्कीसवीं सदी के इस वैज्ञानिक युग में हमारा मुल्क निःसन्देह काफी प्रगति किया हैं जिसमें नारी वर्ग बहुत बड़ा योगदान हैं । आज की तिथि में शिक्षा, साहित्य, रण, राजनीति दुनियाँ में ऐसा कोई भी क्षेत्र नही हैं जहाँ बेटियों नें मिशाल न कायम की हों किन्तु आज भी समझदारी एवम बराबरी के इस युग में नारी बेचारी बनकर रह जा रहीं हैं अतः समाज कें सभी प्रतिष्ठित व्यक्ति, राजनेता अन्य सभी जागरूक लोगों को आगे आकर नारी समाज की अस्मिता के साथ उनको यथोचित सम्मान एवम बराबरी का हक दिलवाना होगा उक्त ओजस्वी विचार करछना तहसील के खेक्सा में तैनात आदर्श पूर्व माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापिका रुश्दा नाहिद जी नें अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस पर बेटियों की महत्ता में व्यक्त की आगे उन्होने यह भी कहा कि इतिहास इस बात का साक्षी हैं जब भी बेटियों कों समय एवम अवसर प्राप्त हुआ तब बेटियों नें हर क्षेत्र में किला फतेहकर राष्ट्र एवम समाज को गौरवान्वित करने का कार्य हुआ हैं । रुश्दा नाहिद जी अपने कार्यों एवम दरियादिली की वजह से संपूर्ण प्रयागराज जनपद के शिक्षा विभाग में प्रसिद्ध हैं जिन्होने अपने निजी वेतन लगभग दो लाख रुपये की धनराशि से विद्यालय का कायाकल्प की साथ ही सरकार की मंशा सब पढ़ें, सब बढ़े कों साकार रहीं हैं । एक प्रश्न के जवाब में रुश्दा नाहिद जी नें कहा कि अध्यापकों कें सामनें जब छात्र की प्रगति होती हैं तों उक्त दिन उनके लिए स्वर्णिम दिन साबित होता हैं इसके साथ ही उन्होने यह भी जानकारी प्रदान करतें हुए बोली कि उनके नेतृत्व में कई छात्राओं नें प्रदेश स्तर पर भाग लेकर जनपद एवम समाज कों गौरवान्वित करनें कार्य की हैं। मेदनी सिंह का पूरा, धरवारा, तुर्कहा, शिटकहिया आदि क्षेत्रों कें विद्यार्थियों एवम अभिवावकों मे रुश्दा मैम का बहुत आदर हैं एक स्थानीय शिक्षिका कें मुताबिक संपूर्ण करछना तहसील मे खेक्सा विद्यालय एक माडल कें रूप मे हैं।

गंदगी से भरा पड़ा है तालाब, लोगों ने युवा भाजपा नेता से लगाई गुहार

नैनी। जहां एक ओर देश के प्रधानमंत्री स्वच्छ भारत का संदेश जन-जन को देकर जागरूकता फैलाने में जुटे हुए हैं। वहीं स्मार्ट वार्ड की परिकल्पना को मुंह चिढ़ाता नैनी के वार्ड नंबर 33 काजीपुर में स्थित तालाब दसकों से गंदगी से भरा पड़ा हुआ है। हजारों जनमानस के लिए एक दयनीय स्थिति में रहने का कारण बना हुआ है। आवारा पशुओं ने अपना रहने के लिए आशियाना बना लिए हैं। अगर हम उक्त स्थान की भौगोलिक स्थिति की बात करें तो गंदगी से भरे तालाब से होकर मिर्जापुर रोड की तरफ यह मार्ग जाता है। वहीं चारों ओर से हजारों की आबादी से यह तालाब घिरा हुआ है। बारिश के दिनों में तालाब से सटा हुआ यह सम्पूर्ण क्षेत्र तरणताल के रूप में तब्दील हो जाता है और लोगों के घरों में घुटने से भी ऊपर तक पानी प्रवेश

युवा भाजपा नेता को समस्याओं से अवगत कराते क्षेत्रवासी

कर जाता है। क्षेत्र वासियों का कहना है कि इस तालाब का सौन्दर्यीकरण करके जलजमाव की समस्या से निजात दिलाई जाए। इस समस्या को जहां कई बार जिम्मेदार संबंधित विभागीय अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के समक्ष गुहार तक लगाया जा चुका है, लेकिन नतीजा शून्य रहा। सोमवार को समस्या से निजात पाने के लिए लोगों ने युवा भाजपा नेता रामजी मिश्र को लिखित रूप से समस्या से अवगत कराया और भाजपा नेता ने उनकी समस्या के शीघ्र निराकरण के लिए हर संभव प्रयास करने का वादा किया।

नैनी पुलिस चौकी की सिपाही से इलाकाई लोग तंग नहीं हो रही सुनवाई

नैनी। नैनी कस्बा पुलिस चौकी के एक सिपाही की हरकतों ने इन दिनों आम आदमी का जीना मुहाल कर दिया है। खुद को इंस्पेक्टर और दारोगा से ऊपर समझने वाले इस सिपाही के बात व्यवहार और लूट खसोट की आदत से सब परेशान हैं। खासकर छोटे तबके के व्यापारी एवं राहगीर तो आए दिन इस सिपाही की हरकतों की वजह से जलील होते रहते हैं। लोगों के समझ में नहीं आता कि इसकी शिकायत आखिर करें तो कहा करें। इस सिपाही की दंबगई और गलत आदतों से परेशान लोगों ने आला अधिकारियों से जांच कराकर इसके खिलाफ कार्रवाई किए जाने की गुजारिश की है।

महिला स्वयं सहायता समूह को मिला सरकारी कोटे की दुकान

सिरसा। मेजा क्षेत्र ब्लाक उरुवा ग्रामपंचायत बरी में पिछले कई महीने से निरस्त चल रही सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के सोमवार को पुलिसिया निगरानी में कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय ग्राम पंचायत बरी में खुली पंचायत में प्रस्ताव हुवा। जिसमे संकट मोचन महिला आजीविका स्वयं सहायता समूह श्रीमतीं बंदना देवी मिश्रा को निर्विरोध निर्वाचित हुई। रिक्त पड़ी सरकारी कोटे की दुकान का एडीओ पंचायत अधिकारी रमाकांत पांडेय, ग्रामपंचायत अधिकारी जगदीश सिंह, ग्रामपंचायत अधिकारी रंजय प्रसाद, एडीओ आई एसबी, एडीओ कापरोटिक, जिला पंचायत अधिकारी के समक्ष निर्विरोध प्रस्ताव कर के चयन किया गया। पर्यवेक्षणिय अधिकारी की उपस्थित में चुनाव शांति पूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। दुकान की चयन प्रक्रिया में कोई दूसरा

कोटे के चयन के दौरान उपस्थित अधिकारीगण

समूह का उम्मीदवार ने अपना नामाकंन नही कराया जिससे संकट मोचन महिला आजीविका स्वयं सहायता समूह श्रीमतीं वंदना मिश्रा पत्नी संजीव कुमार मिश्रा को निर्विरोध निर्वाचित हुई। बैठक की अध्यक्षता मौजूदा ग्रामप्रधान अखिलेश चंद्र पांडेय ग्रामपंचायत बरी ने किया। बैठक में मुख्य रूप से विमल कुमार पांडेय, कैलाश चंद्र पांडेय, दिलीप कुमार मिश्रा (अधिवक्ता), त्रिलोक नाथ पांडेय, रमेश चंद्र मिश्रा, शैलेश कुमार पांडेय (मेजा विधायक प्रतिनिधि) शिव जी पांडेय(नेता जी), नीरज कुमार मिश्रा, कल्लू भारतीय (क्षेत्र पंचायत सदस्य), गप्पू पांडेय, गुलाब चंद्र मिश्रा, अम्बुज मिश्रा (समजसेवि), बऊ जैसल (समानसेवी) बबलू यादव, अरविन्द कुमार पांडेय, पप्पू मिश्रा, मुन्ना पांडेय (समाजसेवी), संत लाल जैसल (नेता जी) पूर्व पत्याशी विधान सभा मेजा, दयाशंकर विश्वकर्मा (समाज सेविक), श्रीमतीं रोहणी पांडेय, पिन्टू पांडेय, आदि सैकड़ो के संख्या में लोग उपस्थित रहे। और सुरक्षा में सिरसा पुलिस चौकी इंचार्ज हर गोविंद सिंह, कांस्टेबल अमित कुमार एवं बड़े संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद रहे।

प्रयागराज हलचल

संक्षेप समाचार

नैनी कोतवाली की छत से कूदकर शातिर फरार, हड़कंप

नैनी। नैनी कोतवाली से एक अपराधी सोमवार भोर में छत से कूदकर फरार हो गया। जिससे हड़कंप मच गया। जानकारी के मुताबिक क्राइम ब्रांच और इलाकाई पुलिस ने सात अक्टूबर की रात में तीन बदमाशों को पकड़ा है। जिनमें दो शातिर प्रतापगढ़ के रहने वाले हैं। जबकि एक शातिर नैनी कोतवाली क्षेत्र का रहने वाला है। सभी को बिना लिखा पढ़ी के ही नैनी कोतवाली के लाकअप में रखा गया था। सूत्रों के मुताबिक सोमवार सुबह लगभग छह बजे वह लॉकअप से शौंच जाने के बहाने बाहर आया। सुरक्षा गार्ड उसे नैनी कोतवाली के दूसरे तल पर बने शौंचालय में ले गए। शौंच क्रिया से निवृत्त होने के बाद वह बाहर निकला और हाथ धोने के बहाने गार्डों से कुछ दूर पर गया और फिर अचानक प्रथम तल से नीचे छलांग लगा दी। यह देख गार्ड के होश उड़ गए। जब तक गार्ड समझ पाता और थाने के अन्य लोग जानते, तब तक में वह बदमाश नीचे कूदने के बाद थाना परिसर से बाहर भाग चुका था। गार्ड के बताने के बाद पुलिस वालों ने इधर उधर हाथ पैर मारा जरूर, लेकिन वह मिला नहीं। इतना ही नहीं पुलिस ने नैनी के अलावा औधोगिक क्षेत्र इलाके में भी दबिश दी, लेकिन फरार शातिर का कोई सुराग नहीं लगा। सूत्रों के मुताबिक फरार शातिर का नाम मुकद्दर निषाद पुत्र दुलारे निषाद निवासी चक गरीबदास, मामा भांजा तालाब, नैनी है। उसके भागने से पूरे कोतवाली में हड़कंप मचा रहा।

हिस्ट्रीशीटर अपराधी रामलोचन यादव के घर पर चला बुलडोजर

प्रयागराज। योगी सरकार की भू-माफिया एवं अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत सोमवार को सपा नेता रामलोचन यादव के घर पर अवैध अतिक्रमण हटाया गया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण ने हिस्ट्रीशीटर अपराधी के अवैध कब्जे को गिराने के लिए बुलडोजर लगाकर उसके आवास पर किए गए अतिक्रमण को ढहा दिया।

धूमनगंज थाना क्षेत्र के कन्धईपुर निवासी राम लोचन यादव के खिलाफ शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों को लेकर कुल 25 आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसके खिलाफ धूमनगंज में गैगेस्टर का मुकदमा दर्ज है। राम लोचन यादव सपा के पूर्व विधायक विजमा यादव का भाई है। वह खुद सपा की राजनीति में सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में काम करता है।

अपराध जगत में जुड़ने के बाद काफी सम्पत्ति जुटाया और कंधेईपुर गांव में जमीन पर अवैध कब्जा कर-के वगैर नक्शा के ही करोड़ों का घर बनवा लिया। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अधिकारियों का कहना है कि रामलोचन यादव का घर अवैध बना हुआ है। जिसे आज जेसीबी मशीन लगाकर गिराया गया।

अपर पुलिस अधीक्षक नगर दिनेश कुमार सिंह ने बताया कि प्रयागराज विकास प्राधिकरण हिस्ट्रीशीटर अपराधी रामलोचन यादव द्वारा अवैध रूप से बनाए गए माकान को गिराया गया। पीडीए विभाग की ओर से गिराने की कार्रवाई की गई। इस दौरान वहां भारी पुलिस बल तैनात रहा।

राम लोचन यादव का अवैध मकान ढहाता पीडीए का बुल्डोजर व मौजूद पुलिस

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

प्रयागराज। जार्जटाउन थाना क्षेत्र के तिलक नगर अल्लापुर मोहल्ले में एक युवक ने रविवार की रात फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सोमवार की सुबह सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। जार्जटाउन के तिलक नगर अल्लापुर निवासी पंकज गुप्ता (20वर्ष) पुत्र केशव लाल गुप्ता अपना खर्च चलाने के लिए प्राइवेट काम करता था। बताया जा रहा है कि रविवार की रात परिवार के लोग भोजन करने के बाद सो गए। रविवार की भोर पंकज का पिता उठा तो वह खिड़की के सहारे फांसी के फंदे से लटकता हुआ दिखाई दिया। यह देखते ही उसने शोर मचाया तो परिवार के अन्य सदस्य और पड़ोस के लोग पहुंचे। परिजनों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस कहना है कि परिवार के लोग आत्महत्या का कारण नहीं बता सके। उसने आत्महत्या क्यों किया यह तो जांच के बाद ही पता चल पाएगा।

69 हजार रिक्त पदों के सापेक्ष 31,277 अभ्यर्थियों की सूची जारी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित परिषदीय प्राथमिक विद्यालयों में 69 हजार रिक्त पदों के सापेक्ष 31,277 पदों हेतु अनन्तिम चयनित अभ्यर्थियों की सूची वेबसाइट पर सोमवार को प्रकाशित कर दिया गया है। जिनका चयन प्रथम चरण में सुनिश्चित किया जाना है। उप्र बेसिक शिक्षा परिषद्, प्रयागराज के सचिव प्रताप सिंह बघेल ने समस्त जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, समस्त जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य एवं समस्त मण्डलीय सहायक शिक्षा निदेशक बेसिक को निर्देशित किया है कि भर्ती प्रक्रिया में अभ्यर्थियों को पूर्व में आवंटित जनपद एवं आरक्षण को यथावत रखते हुए कुल उपलब्ध 69 हजार पदों की रिक्तियों के सापेक्ष मेरिट व आरक्षण के आधार पर नियुक्तियां प्रथम चरण में सुनिश्चित की जाय। उन्होंने कहा है कि एनआईसी द्वारा परिषद् कार्यालय को उपलब्ध करायी गयी जनपदवार सूची जनपदों को 13 अक्टूबर को उपलब्ध कराया जायेगा। जनपद स्तर पर काउन्सिलिंग का आयोजन 14 व 15 अक्टूबर, नियुक्ति पत्र 16 अक्टूबर को निर्गत किया जायेगा। 31,277 अनन्तिम चयनित अभ्यर्थियों की सूची 13 अक्टूबर को एक्सेल सीट पर उपलब्ध करायी जायेगी। 69 हजार रिक्त पदों के सापेक्ष प्रथम चरण में मेरिट के आधार पर पूर्व आवंटित जनपद व आरक्षण को यथावत रखते हुए कुल 69 हजार पदों की रिक्तियों के सापेक्ष मेरिट व आरक्षण के आधार पर 31,277 पदों पर चयन की कार्यवाही जनपदवार प्रथम चरण में की जा रही है।

बीएचयू के लापता छात्र की तलाश को एएसपी ने मांगा समय

प्रयागराज। बीएचयू वाराणसी के लापता छात्र शिव कुमार त्रिवेदी मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में हाजिर एएसपी ने बताया कि लापता छात्र की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। इसके लिए कुछ समय दिया जाय।

कोर्ट ने याचिका चार नवम्बर को सुनवाई के लिए पेश करने का निर्देश दिया और कहा है कि पुलिस अगर नहीं तलाश कर सकी तो जांच स्वतंत्र एजेन्सी को सौंप दी जायेगी।

यह आदेश न्यायमूर्ति प्रीतिंकर दिवाकर तथा न्यायमूर्ति दीपक वर्मा की खंडपीठ ने अधिवक्ता सौरभ तिवारी की लेटर पेटीशन पर दिया है। एएसपी ने कोर्ट को छात्र की तलाश के लिए उठाये गए कदमों की जानकारी दी। कोर्ट ने समय देते हुए तलाशी मे उठाये गए कदमों की जानकारी के साथ एएसपी से हलफनामा मांगा है।

हिन्दुस्तानी एकेडमी अध्यक्ष की लिखी दो पुस्तकों का हुआ विमोचन

प्रयागराज। हिन्दुस्तानी एकेडेमी के तत्वावधान में सोमवार को हिन्दी गद्य के विकास में सरस्वती पत्रिका की भूमिका विषयक आयोजित संगोष्ठी के दौरान हिन्दुस्तानी एकेडेमी, प्रयागराज से प्रकाशित अध्यक्ष डॉ. उदय प्रताप सिंह द्वारा लिखी दो पुस्तकों विमर्श के आयाम एवं संस्कृति और समाज का विमोचन किया गया। एकेडमी अध्यक्ष डॉ. उदय प्रताप प्रताप सिंह ने कहा कि 1900 से 1980 तक सरस्वती पत्रिका का प्रकाशन हुआ। इसके संपादक बदलते रहे लेकिन तेवर नहीं बदला। पं. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी और सरस्वती दोनों एक दूसरे के पूरक हैं। द्विवेदीजी ने सरस्वती के माध्यम से हिन्दी गद्य का विकास किया। निरंतर दो दशकों तक आचार्य द्विवेदी सरस्वती पत्रिका के संपादक रूप में हिन्दी गद्य का परिष्कार करते रहे। उनका व्यक्तित्व सुधारवादी था। सरस्वती पत्रिका उसका सशक्त माध्यम थी। सरस्वती द्वारा द्विवेदीजी ने 1903 से 1920 तक हिन्दी गद्य को एक परिष्कृत रूप प्रदान किया। गोरखपुर के डॉ.विक्रम मिश्र ने हिन्दी गद्य के विकास में सरस्वती पत्रिका की भूमिका पर कहा कि बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी हिन्दी साहित्य के महावीर, आलोचक, सम्पादक, अनुवादक, कवि, हिन्दी भाषा और साहित्य को राष्ट्र भाषा के स्थान पर प्रतिष्ठित करने वाले पं. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी यथा नाम तथा गुण यह सुक्ति उनके समूचे व्यक्तित्व और कृतित्व को प्रति ध्वनित करता है। वक्ता रविनंदन सिंह ने कहा कि सरस्वती भारतीय नवजागरण का मुख्यपत्र थी, हिन्दी की सर्वमान्य जातीय पत्रिका थी। इस पत्रिका ने हिन्दी गद्य के स्वरूप को व्यवस्थित किया। इसने पाठक पैदा किए और उनकी रूचि का परिष्कार किया। डॉ. अनुपम परिहार ने कहा कि सरस्वती की भूमिका आधुनिक गद्य के विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने सरस्वती के माध्यम से हिन्दी गद्य में परिष्कृत व परिचर्चित किया तथा नये लेखकों को तैयार किया व कवियों को खड़ी बोली में कविता लिखने के लिये प्रेरित किया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. विनम्रसेन सिंह ने कहा कि हिन्दी साहित्य का जो स्वरूप आज हमारे सामने उपस्थित है, वह सरस्वती की ही देन हे। महावीर प्रसाद द्विवेदी ने अपने सम्पादन में निकलने वाली सरस्वती को एक एक ऐसा औजार बनाया जिससे हिन्दी के गद्य और पद्य दोनों विधाओं की भाषा का परिमार्जन एवं परिष्कार का महत्वपूर्ण योगदान दिया। धन्यवाद ज्ञापन एकेडेमी की कोषाध्यक्ष पायल सिंह ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्वानों में डॉ. सभापित मिश्रा, उदय शंकर दुबे, हरि दत्त मालवीय, दीपक मिश्रा, अरूण कुमार त्रिपाठी, अमित शर्मा, खुर्शीद डॉ. हितेश सिंह, डॉ. अनिल कुमार सिंह, बीरेन्द्र सिंह, प्रिंस सिंह, कुलदीप मिश्रा रामबाबू गुप्ता, वीरेन्द्र सिंह, शिव कुमार यादव, सतेन्द्र सिंह, एकता शुक्ला, सौरभ सोमवंशी, रीता सिंह, आर.के शुक्ला, ददन तिवारी आदि के साथ शहर के अन्य रचनाकार एवं शोध छात्र भी उपस्थित थे।

पुस्तक का विमोचन करते अतिथिगण

तीन दिवसीय दिव्य कुम्भ, भव्य कुम्भ की प्रदर्शनी का हुआ शुभारम्भ

प्रयागराज। हरिश्याम मानव कल्याण शिक्षा एवं शोध संस्थान अम्बेडकर विहार प्रयागराज के बैनरतले सोमवार को उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र में ह्यदिव्य कुंभ भव्य कुंभ-2019ह्ण के छायाचित्रों की तीन दिवसीय प्रदर्शनी का शुभारम्भ हुआ।

इस अवसर पर जिलाधिकारी भानु चंद्र गोस्वामी ने कहा कि प्रयागराज में आयोजित कुम्भ मेला की तीन दिवसीय प्रदर्शनी से यादें ताजा हो गयी। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रदर्शनी से लोगों में जागरूकता आयेगी एवं प्रेरणा भी मिलेगी। इसलिए ऐसे आयोजन समय-समय पर होते रहने चाहिए। इसके लिए उन्होंने सभी को बधाई दी एवं प्रमुख लोगों को सम्मानित भी किया।

प्रदर्शनी का शुभारम्भ किन्नर अखाड़ा प्रयागराज की महामण्डलेश्वर स्वामी कौशल्या नंद गिरि, किन्नर अखाड़ा की छोटकी चैरसिया, पूर्व कमिश्नर आर.एस वर्मा, आर्यकन्या पीजी कालेज के चेयरमैन पंकज जायसवाल, डीआईओएस आरएन विश्वकर्मा एवं बीएसए संजय कुशवाहा ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। समिति के सचिव राजीव कुमार मिश्रा ने बताया कि सभी छायाचित्र वरिष्ठ फोटोग्राफर जितेन्द्र प्रकाश के हैं। 13 अक्टूबर को मुख्य अतिथि आईजी जोन के.पी सिंह एवं अध्यक्षता क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी की महासचिव ज्ञानमाता डॉ. राधासत्यम करेगी। विशिष्ट अतिथि सचिव पीएनपी अनिल भूषण चतुवेर्दी, ब्रिगेडियर संदीप भण्डारी, अपर सचिव क्षेत्रीय कार्यालय यूपी बोर्ड एसपी द्विवेदी होंगे। समापन 14 अक्टूबर को कमिश्नर आर रमेश कुमार करेंगे जबकि अध्यक्षता पूर्व कमिश्नर आर.एस वर्मा करेंगे। विशिष्ट अतिथि यूपी बोर्ड के सचिव दिव्यकांत शुक्ला, अपर आयुक्त आबकारी दिव्य प्रकाश गिरि, ओम नमः शिवाय के शांतनु, एक्टर फैशन डिजायनर एवं वर्ल्ड वाइड फोटोग्राफर मनु पुरवार हैं।

समिति के सचिव ने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिये एमपीवीएम की प्रधानाचार्या सुष्मिता कानूनगो, एपीएस की प्रधानाचार्या श्रीमती अमिता मिश्रा, गंगागुरूकुलम की अल्पना डे, सेण्ट डीबी इण्टरमीडिएट कालेज की प्रधानाचार्या श्रीमती सबरीना कुटीनो, ज्वाला देवी के युगल किशोर मिश्रा, रानी रेवती देवी के बांके बिहारी पाण्डेय, माधव ज्ञानेन्द्र के प्रदीप त्रिपाठी, जीजीआईसी गोहरी के प्रधानाचार्य डॉ. रविभूषण, रसूलाबाद प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. रूबी ओझा पाण्डेय, वरिष्ठ शिक्षक संजय श्रीवास्तव एवं विश्वनाथ मिश्रा, जीजीआईसी बिहार की वरिष्ठ शिक्षिका श्रीमती रंजीता गुप्ता, चन्द्रशेखर इण्टरमीडिएट कालेज पूरबनारा की शिक्षिका वंदना सिंह हैं। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिये जेवनिया की महिला ग्राम प्रधान श्रीमती रूचि अभिषेक तिवारी, महेश प्रताप सिंह सचिव दारागंज ग्रामोद्योग संस्थान, ओम नमः शिवाय के शांतनु, गायन के लिये श्रीमती कंचन मीणा और सीडीए पेंशन के मनोज कुमार सिंह मन्नू गहमरी को सम्मानित किया जायेगा। सचिव ने बताया कि कर्मचारी नेता अजय भारती, नर सिंह, मनोज पाण्डेय, सुनील पाण्डेय, अटेवा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. हरिप्रकाश यादव, राजेन्द्र पालीवाल, विनोद पाण्डेय, प्रदीप सिंह और डॉ. ज्ञानप्रकाश सिंह हैं। अतिथियों का स्वागत पूर्व सूबेदार श्याम सुंदर सिंह पटेल, हाईकोर्ट के अधिवक्ता अभिषेक तिवारी और पंकज दीक्षित करेंगे।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते डीएम व सम्मानित लोग

पति की हाईकोर्ट से गुहार: हिस्ट्रीशीटर पिता के लड़कों ने बनाया पत्नी को बंधक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने हिस्ट्रीशीटर पिता की बेटी को उसके भाइयों से मुक्त कराकर हाईकोर्ट के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया है। बेटी और उसके पति ने हाईकोर्ट में सुरक्षा के लिए याचिका दाखिल की है। आशंका जताई है कि उसकी हत्या की जा सकती है। कोर्ट ने एसएसपी बुलंदशहर को तत्काल कार्रवाई करते हुए याची को सुरक्षा देने तथा 22 अक्टूबर को उसे अदालत के सामने पेश करने का निर्देश दिया है। याची निशी और उसके पति की ओर से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर न्यायमूर्ति जेजे मुनीर सुनवाई कर रहे हैं। निशी और उसके पति ने याचिका में कहा है कि दोनों ने परिवार वालों की मर्जी के खिलाफ हिंदू रीति रिवाज से 17 जून 20 को आर्य समाज मंदिर दादरी में शादी की है। निशी के पिता हिस्ट्रीशीटर व जतन सिरोही गैंग के शार्प शूटर हैं। उस पर 22 से अधिक मुकदमें दर्ज हैं। फिलहाल वह महराजगंज जेल में बंद है। दोनों को लगातार धमकियां दी जा रही हैं। कहा गया कि दोनों 31 अक्टूबर को जब इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुरक्षा के लिए याचिका दाखिल करने आए थे। वापस जाते समय प्रयागराज के सिविल लाइंस रोडवेज स्टेशन से निशी के दोनों भाई रॉबिन चैधरी और कुलवीर चैधरी काली रंग की स्कर्पियो से अन्य लोगों के साथ आए और निशी को जबरन खींच कर गाड़ी में बैठा लिया। तब से निशी उनके कब्जे में है और उसकी किसी भी वक्त ऑनर किलिंग की जा सकती है। याचिका में कहा गया है कि निशी की बड़ी बहन की भी हत्या इसी वजह से परिवार वालों ने कर दी थी क्योंकि उसने भी परिवार वालों की मर्जी के खिलाफ शादी कर ली थी।

महिला ग्राम विकास अधिकारी सहित परिजनों को पीटा

नैनी। कोतवाली क्षेत्र के बोंगवा गली में रहने वाली ग्राम विकास अधिकारी शिवांगी गुप्ता पुत्री सूरज लाल गुप्ता के घर में घुसकर कुछ लोगों ने रास्ते के विवाद में उन्हे और उनके परिजनों को जमकर पिटाई कर दिए। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी गई है। आरोपियों के खिलाफ नैनी कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज की गई है।

अखण्ड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम कियायोग आश्रम एवं अनुसंधान सस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक
स्वामी श्री योगी सत्यम

पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं0: UPHIN2001/9025

प्रयागराज में रेल दावा अधिकरण की बेंच स्थापना का एक वर्ष पूरा

प्रयागराज। गत वर्ष दिनांक 13.10.2019 को वाल्मीकि चौराहा के पास उत्तर मध्य रेलवे के पुराने महाप्रबंधक कार्यालय में रेल दावा अधिकरण की 20 वीं बेंच का शुभारंभ माननीय न्यायमूर्ति गोविन्द माथुर, मुख्य न्यायाधीश इलाहाबाद उच्च न्यायालय के कर कमलों द्वारा, जस्टिस के एस अहलूवालिया अध्यक्ष, रेल दावा अधिकरण एवं राजीव चौधरी महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे, सदस्य(न्यायिक), रेल दावा अधिकरण, इलाहाबाद संजीव अग्रवाल, प्रमुख कार्यकारी निदेशक, कॉमर्शियल रेलवे बोर्ड मधुसूदन राव की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया था। इसके सर्वप्रथम सदस्य न्यायिक संजीव अग्रवाल थे। ज्ञात हो कि, इसके पहले रेल दावा अधिकरण की बेंच प्रयागराज में नहीं होने के कारण यहां के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं गरीब पीड़ितों को प्रकरणों के निस्तारण हेतु लखनऊ या गोरखपुर जाना पड़ता था जिस कारण उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता था। महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे राजीव चौधरी जी ने पद भार ग्रहण करने के पश्चात से ही प्रकरणों के त्वरित निस्तारण हेतु प्रयागराज में रेल दावा अधिकरण की नई बेंच की स्थापना हेतु निरंतर प्रयास किए और महाप्रबंधक महोदय के विशेष प्रयास से रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल के अध्यक्ष जस्टिस के एस अहलूवालिया द्वारा प्रयागराज में रेल दावा अधिकरण की नई बेंच खोलने की अनुमति प्रदान की गई । रेल दावा अधिकरण की इस बेंच में उत्तर प्रदेश के कुल 17 जिले उत्तर प्रदेश के बांदा, भदोही(संत रविदास नगर), चंदौली, चित्रकूट, फतेहपुर, जालौन, जौनपुर, झांसी, कन्नौज, कौशांबी, ललितपुर, महोबा, मिर्जापुर, प्रतापगढ़, प्रयागराज (इलाहाबाद), सोनभद्र (राबर्ट्सगंज) एवं वाराणासी) शामिल हैं। इसके अतिरिक्त उत्तर जोन का प्रशासनिक हेड वाइस चेयर मैन इलाहाबाद है तथा रेल दावा अधिकरण की इलाहाबाद, चंडीगढ़, दिल्ली, गोरखपुर एवं लखनऊ बेंच इसके अधीन हैं।

बेटी को बेटी रहने दो उसे दान या वस्तु न समझो : डॉ. चेतना

प्रयागराज। अखिल भारतीय स्तर पर प्रख्यात साहित्यिक-शैक्षणिक संस्था राष्ट्रीय शिक्षक संचेतना के वेबीनार में सोमवार को राष्ट्रीय महिला इकाई की बैठक में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. चेतना उपाध्याय अजमेर ने कहा कि बालिकाओं में बचपन से ही ताकत संस्कारों के साथ बने। असंस्कारित कृत्य हमें शर्मिन्दा करते है। बेटी के ससुराल परिवार में संस्कारित होकर सभी को आदर सम्मान प्राप्त होता है। डॉ. उपाध्याय ने कहा कि बेटी को बेटी ही रहने दो उसे शादी के बाद कन्यादान या वस्तु न समझे नहीं तो परिवार टूट जायेगा। विशिष्ट अतिथि इंदु मित्तल ने कविताओं के माध्यम से मार्मिक बेटियों का चित्रण किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. उर्वशी उपाध्याय ने बेटी के संदर्भ में कविताओं के माध्यम से मार्गदर्शन किया। उन्होंने वर्तमान परिस्थिति में बेटियों से अपनी कविता के माध्यम से आह्वान किया कि.. 'उठो चलो हूं कार भरो अब चुप रहने से नहीं चलेगा, बन जाओ रणचंडी तुम अब डरने से नहीं चलेगा '।

संगोष्ठी एवं बैठक का शुभारम्भ सरस्वती वंदना डॉ. संगीता पाठक ने किया। शिक्षक संचेतना के महासचिव डॉ. प्रभु चौधरी ने संगठन की गतिविधियों, सदस्यता अभियान, राष्ट्रीय पदाधिकारी, प्रदेशाध्यक्ष एवं महासचिव की नियुक्ति इसी माह में पूर्ण करेंगे। नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रिया तिवारी छत्तीसगढ़ एवं प्रदेशाध्यक्ष डॉ. रोहिणी डावरे को महाराष्ट्र का नियुक्त किया गया। साथ ही राष्ट्रीय महिला इकाई की प्रभारी संयोजक डॉ. कविता रायजादा, सहसंयोजक डॉ. मनीषा शर्मा मनोनीत किया। मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय मुख्य कार्यकारी अध्यक्ष श्रीमती सुवर्णा जाधव मुम्बई, बेटी दिवस की बधाई देते हुए जगत की 50 प्रतिशत आबादी है। अब बेटियां प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़कर कार्य कर रही है। संगोष्ठी में डॉ. मुक्ता कौशिक, रोहिणी डावरे, खुशबु शर्मा, पूर्णिमा कौशिक, अन्तिमा जैन, लता जोशी उपमहासचिव, डॉ. संगीता पाल उपमहासचिव, डॉ. कविता रायजादा आगरा, डॉ. मनीषा शर्मा एवं डॉ. शिवा लोहारिया ने अध्यक्ष भाषण दिया। संगोष्ठी का काव्यमय संचालन डॉ. रश्मि चौबे ने एवं आभार लता जोशी ने माना।

वेबीनार में संबोधित करती डॉ उर्वशी उपाध्याय

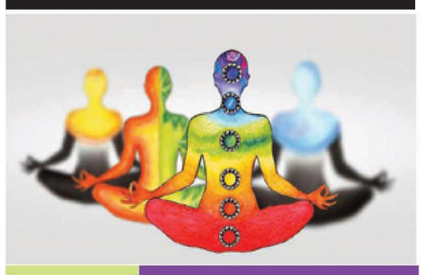

प्रयागराज मंगलवार, 13 अक्टूबर, 2020

क्रियायोग सन्देश

योग का वास्तविक स्वरूप

योग का अभ्यास नहीं किया जा सकता है।
योग मानव के विकास की उच्चतम अवस्था है
जिसमें मनुष्य दूरी (कठिनाई) तथा समय(काल) की अनुभूत के परे होता है।
योग अवस्था की प्राप्ति के लिए जिस साधना(क्रिया) का अभ्यास करना पड़ता है, उसे क्रियायोग कहा गया है।

योग अवस्था के प्रकट होने पर साधक अपने तथा आदि, मध्य अंत के बीच दूरी की शून्यता का अनुभव कर लेता है। ऐसी अवस्था में काल का विभाजन समाप्त हो जाता है। समय को भूत, भविष्य और वर्तमान में बांटना, अज्ञानता का प्रतीक है । वास्तव में समय अविभाजित है, तथा इसी प्रकार ब्रह्मांड की समस्त रचनाएं भी अविभाजित हैं। क्रियायोग साधना के द्वारा योग अवस्था के प्रकट होने पर आदि, मध्य, अंत एक बिंदु पर दिखाई देता है जिससे आदि, मध्य व अंत तीनों अलग-अलग न होकर, एक में रूपांतरित हो जाते हैं। इसी को वर्तमान में रहना कहा गया है। वर्तमान में रहने का अभिप्राय भूत व भविष्य को विस्मृत करना नहीं बल्कि भूत, भविष्य के संपूर्ण रहस्यों का ज्ञान प्राप्त कर लेना है, जिससे भूत और भविष्य का स्वरूप वर्तमान में रूपांतरित हो जाए।

योग अवस्था को ही अविभाज्य अवस्था, खंडित अवस्था, युक्तावस्था, योगस्था अवस्था आदि अनेक रूपों में वर्णित किया गया है।

योग अवस्था के प्रकट होने पर संपूर्ण ब्रह्मांड अविभाजित है, किसी भी रचना का विभाजन संभव नहीं है, इसका स्पष्ट ज्ञान हो जाता है। यह अनुभव हो जाता है कि सारी रचनाएं एक दूसरे से शाश्वत रूप में जुड़ी है, जिस प्रकार आग से आग की गर्मी को अलग नहीं किया जा सकता है ठीक उसी प्रकार किसी भी रचना को किसी से अलग नहीं किया जा सकता है। इस शाश्वत एकता को मानसिक, बौद्धिक तर्क-वितर्क के द्वारा नहीं समझा जा सकता है बल्कि क्रियायोग के अभ्यास के द्वारा अनुभव किया जा सकता है।

अष्टांग योग– योग के आठ पर्याय

क्रियायोग के अभ्यास से साधक के अंदर 'योग' अपने आठ अंगों के साथ प्रकट होता है जिसे अष्टांग योग कहा गया है। अष्टांग योग का प्रायः गलत अर्थ लगाया जाता है। साधना के अभाव में कल्पना के द्वारा अष्टांग योग को योग की आठ सीढ़ियों के रूप में समझा जाता है। यह मान्यता है कि पहले यम, नियम का अभ्यास करिए फिर असन सिद्ध करिए। यह स्थिति होने के बाद ही प्राणायाम का अभ्यास किया जाता है। प्राणायाम के बहुत दिनों के अभ्यास के बाद प्रत्याहार, धारण व ध्यान को साधिय तत्पश्चात समाधि की प्राप्ति होती है।

अष्टांग योग के प्रति यह धारणा कपोल कल्पित है। प्रयोग करने पर यह पूरी तरह गलत सिद्ध होती है। अष्टांग योग में वर्णित यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि आदि 8 अवस्थाएं योग स्थिति को समझने के 8 तरीके हैं। जिस प्रकार पानी को जल, वाटर, हाईड्राइड्रोजन मोनोऑक्साइड आदि के रूप में व्यक्त किया जाता है ठीक उसी प्रकार योग अवस्था को यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि के रूप में वर्णित किया गया है।

योग का अभ्यास नहीं किया जा सकता है। इसको समझने के लिए डॉक्टर इंजीनियर की स्थिति को समझें। कोई भी यदि कहता है कि हम डॉक्टर या इंजीनियर पढ़ रहे हैं तो इस प्रकार बोलने को अशिक्षा कहा जाता है। हम कुछ सीख रहे हैं जिसको सीखने के बाद हम डॉक्टर या इंजीनियर बन जाएंगे, इस प्रकार की अभिव्यक्ति शिक्षित होने का प्रमाण है। ठीक इसी प्रकार योग का अभ्यास कर रहे हैं, यह कहना अनुचित है। हम जो कुछ अभ्यास कर रहे हैं इससे योग अवस्था की प्राप्ति होगी, यह कहना उपयुक्त है। योग की अवस्था को विभिन्न तरीकों से प्राप्त किया जाता है। धर्म ग्रंथों का कथन है कि प्राकृतिक रूप में योग अवस्था को प्राप्त करने में लगभग 10 लाख वर्ष व्याधि रहित जीवन अनिवार्य है। क्रियायोग के अभ्यास से साधक अपनी भक्ति के अनुरूप एक ही जीवन काल के कुछ वर्षों में योग अवस्था की प्राप्ति कर लेता है। जिस प्रकार योग का अभ्यास नहीं किया जा सकता है ठीक उसी प्रकार अष्टांग योग का भी अभ्यास नहीं किया जा सकता है। योग तथा अष्टांग का स्वरूप एक है। अष्टांग योग का अभिप्राय है योग के आठ अंग। योग ज्ञान की वह स्थिति जिसमें दूरी की शून्यता अनुभव होती है। दूरी की शून्यता ही अद्वैत की स्थित है। इससे स्पष्ट है कि योग की अवस्था को अद्वैत की अवस्था कहते हैं। इस अवस्था को 8 तरह से समझा जा सकता है जिसे अष्टांग योग कहते हैं।

गुरु के सानिध्य में क्रियायोग ध्यान की मुद्रा में बैठे साधक